2021

( Held in 2022 )

HINDI

( Honours )

Paper : HIN-HC-1026

( हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल )

*Full Marks* : 80

*Time* : 3 hours

*The figures in the margin indicate full marks for the questions*

**1.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×10=10

(क) आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल का प्रारंभ किस संवत् से माना है?

(ख) भारतेंदु-युग का अन्य एक नाम क्या है?

(ग) 'फूलों का गुच्छा' किस कवि की रचना है?

(घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी किस ईस्वी में 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक बने थे?

(ङ) 'पूर्ण' उपनाम से जाने जाने वाले द्विवेदीयुगीन कवि का असली नाम क्या है?

(च) सत्यनारायण 'कविरत्न' द्वारा विरचित भ्रमरगीत-परंपरा की काव्य-कृति का नाम बताइए।

(छ) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का देहावसान कब हुआ था?

(ज) हरिवंशराय 'बच्चन' किस काव्यधारा के कवि के रूप में जाने जाते हैं?

(झ) 'भाषा योगवासिष्ठ' के रचयिता कौन हैं?

(ञ) फ़ोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना कब हुई थी?

**2.** निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) 'नासिकेतोपाख्यान' किसकी रचना है? इस रचना के आधार-ग्रंथ कौन-से हैं?

(ख) श्रीधर पाठक ने गोल्डस्मिथ द्वारा रचित किन रचनाओं का किस-किस नाम से हिन्दी में अनुवाद किया है?

(ग) 'जूही की कली' किस कवि की रचना है? इस रचना का प्रकाशन किस ईस्वी में हुआ?

(घ) 'तारसप्तक' में संकलित कवियों के नाम क्या-क्या हैं?

(ङ) गजानन माधव मुक्तिबोध की किन्हीं दो काव्य-प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

**3.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) हिन्दी कविता को ठाकुर जगमोहन सिंह की देन पर प्रकाश डालिए।





(ख) स्वदेशानुराग-समन्वित ईश्वर-भक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ग) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(घ) महादेवी वर्मा की कविताओं की प्रमुख कलापक्षीय विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) प्रयोगवादी काव्यधारा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(च) भारतेन्दु-युग में खड़ीबोली गद्य का किस प्रकार विकास हुआ?

**4.** निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) आधुनिक कालीन राजनीतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

(ख) आधुनिक हिन्दी कविता को भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' की देन का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

(घ) छायावादी काव्यधारा की भावपक्षीय विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

(ङ) प्रगतिवादी काव्यधारा के उद्भव एवं विकास का लेखा-जोखा प्रस्तुत कीजिए।

(च) आधुनिक हिन्दी कविता को नागार्जुन के योगदान पर सम्यक् चर्चा कीजिए।

(छ) समकालीन हिन्दी कविता की दिशा एवं दशा पर प्रकाश डालिए।

(ज) स्वतंत्रता के बाद खड़ीबोली गद्य का विकास किस रूप में हुआ? सटीक चर्चा कीजिए।

★★★